Millennium Post 13-January-2022

High ammonia levels in Yamuna to affect water supply: DJB

REPRESENTATIVE PIC

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: High ammonia levels in the Yamuna due to discharge of pollutants from Haryana led to a 50 percent reduction in production at Wazirabad, Chandrawal and Okhla water treatment plants which will affect supply in several parts of the national capital, officials said on Wednesday.

The WTPs at Chandrawal, Wazirabad and Okhla can treat up to 90 million gallons of water a day, 135 MGD and 20 MGD, respectively.

The ammonia level at the Wazirabad pond is 5 parts per million at present.

According to the Bureau of Indian Standards, the acceptable maximum limit of ammonia in drinking water is 0.5 ppm. At present, the Delhi Jal Board has the capacity to treat 0.9 ppm.

"Due to continuous discharge of high level of pollutants from Haryana, the ammonia level in river Yamuna at Wazirabad Barrage has increased and water production has been curtailed from water treatment plants at Wazirabad, Chandrawal and Okhla," the DJB said in a statement.

An official said the treatment capacity at the three WTPs has reduced by 50 percent.

"Water supply will remain affected on the morning of January 13 and so on till the ammonia level in the river reduces to a treatable limit, it said.

The areas which will be affected are: Civil lines, Hindu Rao Hospital and adjoining areas, Kamla Nagar, Shakti Nagar, Karol Bagh, Pahar Ganj and NDMC areas, Old & New Rajinder Nagar, Patel Nagar, Baljeet Nagar, Prem Nagar, Inderpuri, Kalkaji, Govindpuri, Tughlakabad, Sangam Vihar, Ambedkar Nagar.

Prahladpur, Ramleela Ground, Delhi Gate, Subhash Park, Model Town, Gulabi Bagh, Punjabi Bagh, Jahangirpuri, Moolchand, South Extn., Greater Kailash, Burari and adjoining areas, parts of Cantonment areas and South Delhi may also face disruption.

The Hindu 13-January-2022

Adyar restoration project report getting ready

Water Resources Department may focus on the upper reaches of the river for flood mitigation and improvement

K. LAKSHMI
CHENNAI

The Water Resources Department (WRD) is preparing a detailed project report incorporating proposals for flood control and climate adaptive infrastructure as part of a comprehensive restoration of the Adyar river in a few years.

The ambitious proposal would have projects for conservation of resources. The department is focusing more on the upper reaches of the river to execute work for flood mitigation and integrated improvement.

The department is studying the feasibility of widening the 25-km portion of the river wherever needed between Adanur and Manapakkam to reduce inundation in surrounding areas, including Tambaram and Mudichur.

For instance, the portion of the river between Vandalur and Wallajahbad Road and Padappai and Thirumudivakkam is narrow and only 15-20 metre wide at some stretches. Areas along those stretches got flooded whenever the river flowed at its peak level.

Officials said the stretch of the river along southern suburbs had a capacity to carry about 14,000-15,000 cusecs. Even if it carried 18,000 cusecs of water, it would spill over to surrounding localities.

The department is surveying the possibility of widening the river at vulnerable portions near Adanur, Nandivaram and Urapakkam and acquiring lands wherever necessary. There are plans to widen the river to about 50-60 metre to increase its carrying capacity up to 25,000 cusecs.

Time for clean-up: After the feasibility study, encroachments along the Adyar will be enumerated. ▪ M. KARUNAKARAN

Besides bridging the missing links, there are plans to create additional macro drains near Urapakkam and Guduvancherry to divert surplus water into the river. "We are also checking the possibility of replacing bund with retaining wall in flood-prone areas to enhance carrying capacity of the river.

For instance, a 20-metre bund on either side of the river can be replaced with a 10-metre retaining wall to gain additional space," said an official.

Similarly, flood regulators would be provided in tailend waterbodies such as Adanur and Mannivakkam that drain surplus water into the river.

A suggestion to create new reservoirs in places such as Orathur was under study.

A few tanks in urban pockets of the Adyar basin without ayacut area and less sewage pollution would be converted as sources of drinking water supply for Chennai. Some of the tanks in Nemam, Mannivakkam, Nandivaram and Sriperumbudur were being considered for this.

Once the feasibility study was completed, encroachments would be enumerated and lands that were yet to become urbanised would be acquired for the project. Work may be taken up in packages depending on the funding agency, the officials added.

Rajasthan Patrika 13-January-2022

यूपी, राजस्थान और बंगाल पिछड़े, गुजरात के सात जिलों में लक्ष्य पूरा

7 राज्य नल-जल लक्ष्य में सौ फीसदी पास

गुजरात, हिमाचल और पंजाब ने 90% पूरा किया लक्ष्य

पत्रिका खास खबर

उदय पटेल

15 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री ने किया था शुभारंभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश में 15 अगस्त 2019 से आरंभ हुए हर घर नल से जल के तहत जल जीवन मिशन अभियान को ढाई वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवधि के दौरान अब तक देश के सात राज्य ही यह लक्ष्य हासिल कर सके हैं। इनमें 3 छोटे राज्यों- गोवा, हरियाणा तेलंगाना के साथ-साथ 4 केंद्र शासित राज्य- पुदुचेरी, अंडमान निकोबार आईलैंड, दादरा नगर हवेली, दमन व दीव शामिल हैं। वहीं, चुनाव के मुहाने पर खड़े उत्तर प्रदेश के साथ-साथ राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल इस मामले में काफी पीछे हैं। गुजरात में अब तक सात जिलों- पाटण, आणंद, बोटाद, गांधीनगर, मेहसाणा व वडोदरा ने यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं, 10353 पंचायतों के 13178 गांवों में यह सुविधा प्रदान की गई है। महाराष्ट्र, मणिपुर, जम्मू कश्मीर, आंध्र, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे छह राज्य अब तक 50 से 70 फीसदी तक के बीच लक्ष्य हासिल कर चुके हैं।

राज्यसभा में दी गई हालिया जानकारी के मुताबिक मिशन की अनुमानित लागत 3.60 लाख करोड़ रुपए है। इसमें केन्द्रीय हिस्सा 2.08 लाख करोड़ रुपए है।

2024 तक पूरा करना है लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल अभियान की शुरुआत की थी। इस लक्ष्य को 5 वर्षों में यानी वर्ष 2024 तक पूरा करना है। राज्यों ने अपने हिसाब से लक्ष्य तय किया है।

सबसे पिछड़े राज्य

राज्य	लक्ष्य हासिल
उत्तर प्रदेश	13.22%
छत्तीसगढ	16.03%
झारखंड	17.60%
बंगाल	17.61%
राजस्थान	22.02%
असम	29.09%
मध्य प्रदेश	37.21%

(स्त्रोत: जल जीवन मिशन)

100% लक्ष्य प्राप्त राज्य

- गोवा
- तेलंगाना
- अंडमान व निकाबोर द्वीप समूह
- पुदुचेरी
- दादरा नगर हवेली व दमन दीव
- हरियाणा

3.23 करोड़ लोगों तक पहुंच

इस मिशन की घोषणा के समय 18.93 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 3.23 करोड़ (17 फीसदी) परिवारों के पास नल जल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके थे। तब से 4.62 करोड़ (24 फीसदी) करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन दिया जा चुका है। इसके अलावा 76 जिलों तथा 1.05 लाख गांवों में प्रत्येक परिवार को यह सुविधा मिल रही है।

दक्षिण के बड़े राज्य पीछे

दक्षिण के 3 राज्य - कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु - भी पीछे चल रहे हैं। इन तीन राज्यों के साथ नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, ओडिशा, मध्यप्रदेश, लदाख, लक्षद्वीप व अस ने अब तक 29 से 50 फीसदी के बीच लक्ष्य हासिल किया। सबसे पीछे उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और राजस्थान जैसे राज्य हैं।

गुजरात में अक्टूबर 2022 तक नल से जल का लक्ष्य पूरा करना है। इसके लिए कार्य काफी तेजी से किया जा रहा है। उम्मीद है कि लक्ष्य समय से पूरा हो जाएगा।

जीतू चौधरी, जल संसाधन व जलापूर्ति राज्य मंत्री, गुजरात

इस खबर से संबंधित जानकारी के लिए स्कैन करें

बिहार का 88% लक्ष्य पूरा

इसके तहत अब तक सात राज्य 100 फीसदी लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं। गुजरात, हिमाचल प्रदेश और पंजाब जैसे राज्य 90 फीसदी से ज्यादा लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। बिहार 88 फीसदी व सिक्किम में 78 फीसदी लक्ष्य प्राप्त कर चुका है।

Hindustan 13-January-2022

अमोनिया बढ़ने से आज जलापूर्ति बाधित रहेगी

काम की खबर

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

यमुना नदी में अमोनिया का स्तर बढ़ने पर गुरुवार सुबह कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक यमुना नदी में वजीराबाद में अमोनिया का स्तर बढ़ गया है, जिससे वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधन संयंत्र प्रभावित हुए हैं। इन संयत्रों से कम क्षमता में पानी की सप्लाई हो रही है। जिसकी वजह से नई दिल्ली, उत्तर दिल्ली व दक्षिणी दिल्ली समेत कई जिलों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

बुधवार शाम भी राजधानी के कई जिलों में जलापूर्ति बाधित रही। पानी में अमोनिया का स्तर 0.5 पीपीएम होना चाहिए। लेकिन वजीराबाद बैराज पर यह इससे अधिक पहुंच गया। जबकि संयंत्रों की क्षमता 0.9 पीपीएम तक पानी को साफ करने की है।

परेशानी

- ओखला, वजीराबाद और चंद्रावल संयंत्रों की शोधन क्षमता घटी
- नई दिल्ली, उत्तर दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली के लोगों को दिक्कत होगी

दिल्ली जल बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक हरियाणा से लगातार पानी में औद्योगिक कचरा व अन्य प्रदूषक तत्व डालने के चलते ऐसा हुआ है।

ये क्षेत्र प्रभावित रहेंगे

एनडीएमसी क्षेत्र, सिविल लाइंस, हिंदूराव अस्पताल, कमला नगर, करोलबाग, पहाड़गंज, राजिंदर नगर, पटेल नगर, बलजीतनगर, प्रेमनगर, इंद्रपुरी, कालकाजी, गोविंदपुरी, तुगलकाबाद, संगम विहार, अंबेडकर नगर, प्रह्लादपुर, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, मॉडल टाउन, पंजाबीबाग, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश आदि।